अटल बिहारी वाजपेयी जी के जयन्ती पर आयोजित भजन संध्या पर माननीय लोकसभा अध्यक्ष का सम्बोधन

---

1. आज अटल बिहारी वाजपेयी जी की 97वीं जयंती पर सम्पूर्ण राष्ट्र उन्हें याद कर रहा है। अटल जी जैसा व्यक्तित्व हजारों वर्षों में कभी-कभी ही जन्म लेता है। आज शायद यह विश्वास करना कठिन है कि एक व्यक्ति में इतने सारे गुण हो सकते हैं।

2. अधिकतर लोग उन्हें एक लोकप्रिय प्रधान मंत्री, प्रखर वक्ता और उत्कृष्ट कवि के रूप में जानते हैं। वे एक महान राष्ट्रीय नेता थे, visionary लीडर थे, महान संसदविद थे, पत्रकार थे, उत्कृष्ट प्रशासक थे और सबसे बढ़कर एक महान व्यक्ति थे।

3. लोकप्रियता के शिखर पर रहते हुए भी उन्होंने अपना सरल सहज स्वभाव बनाए रखा। यही उनकी सबसे बड़ी खासियत थी।

4. आज मैं संसद में देखता हूँ, तो मुझे गर्व होता है कि मैं उसी संसद का एक अंग हूँ जिसमें कभी अटल जी के गंभीर और विनोदपूर्ण भाषण हुआ करते थे। हम उनसे कितना कुछ सीख सकते हैं, यह उनके दिए गए भाषणों को पढ़कर या सुनकर समझा जा सकता है।

5. एक अत्यंत मध्यमवर्गीय साधारण परिवार में जन्म लेकर भी वाजपेयी जी का जीवन असाधारण था। इतनी साधारण पृष्ठभूमि के बाद भी वे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधान मंत्री बने, तो यह हमारे लोकतंत्र की शक्ति के साथ-साथ उनकी अपनी क्षमता का भी परिचायक है। उन्होंने जो भी अर्जित किया, वह उनकी अपनी उपलब्धि थी।

6. वाजपेयी जी अपने छात्र जीवन के दौरान पहली बार राष्ट्रवादी राजनीति में तब आये जब उन्होंने वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। वह राजनीति विज्ञान और विधि के छात्र थे और कॉलेज के दिनों में ही उनकी रुचि विदेशी मामलों के प्रति बढ़ी। उनकी यह रुचि वर्षों तक बनी रही एवं विभिन्न बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने अपने इस कौशल का परिचय दिया।

7. अटल जी वास्तव में एक महान लोकतांत्रिक व्यक्ति थे और देश की लोकतांत्रिक भावना को समृद्ध करने में उनके जैसा कोई योगदान बहुत कम लोगों का रहा है। वे एक true democrat थे। वे एक ऐसी संसदीय परंपरा के जनक थे जिसमें राजनैतिक विचारों में अंतर के बावजूद शालीनता और गरिमा एवं परस्पर सम्मान की भावना को महत्व दिया जाता है। यही सच्चा लोकतंत्र है।

8. सदन में अथवा सदन के बाहर भी वे चर्चा संवाद को ही समस्याओं के समाधान का एकमात्र मार्ग मानते थे। आज हमारे पास उनसे सीखने के लिए बहुत कुछ है।

9. माननीय अटल जी तीन बार भारत के प्रधान मंत्री रहे। उनके नेतृत्व में भारत ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित की। पोखरण में परमाणु परीक्षण, कारगिल युद्ध में निर्णायक विजय, स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग परियोजना, टेलीकॉम और IT सेक्टर में अभूतपूर्व विकास विशेष रूप से उल्लेखनीय है। देश में infrastructure विकास का उनका vision आज भी हमें प्रेरित करता है।

10. वाजपेयी जी राजनीति के क्षेत्र में चार दशकों से भी अधिक समय तक सक्रिय रहे। वह लोक सभा में नौ बार और राज्य सभा में दो बार चुने गए। भारत के प्रधानमंत्री के अतिरिक्त विदेश मंत्री, संसद की विभिन्न महत्वपूर्ण स्थायी समितियों के अध्यक्ष और विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने आजादी के बाद भारत की घरेलू और विदेश नीति को आकार देने में एक सक्रिय भूमिका निभाई।

11. देश के लिए अटल जी की समझ यथार्थपरक थी। वे कहते थे कि भारत को लेकर मेरी एक दृष्टि है- एक ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक समानता के समर्थक वाजपेयी जी भारत को सभी राष्ट्रों के बीच एक दूरदर्शी, विकसित, मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ते हुए देखना चाहते थे।

12. वह ऐसे भारत का प्रतिनिधि थे जिस देश की सभ्यता का इतिहास 5000 साल पुराना है और जो अगले हज़ार वर्षों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

13. अटलजी का जीवन राष्ट्र को समर्पित रहा। वे पलपल राष्ट्र के लिए जीए-, राष्ट्र के लिए सोचते रहे। हिंदुस्तान में मेरे जैसे करोड़ों ऐसे कार्यकर्ता हैं, जिनके जीवन में वाजपेयी जी एक प्रेरणा हैं। आने वाली पीढियों को भी उनकी प्रेरणा मिलती रहेगी।

14. आज अटल जी हमारे बीच नहीं हैं, पर उनका व्यक्तित्व इतना विशाल है कि हम उनकी उपस्थिति हर पल महसूस करते हैं। हर विषय पर उनके विचार सुनना या उन्हें पढ़ना उस विषय पर हमें एक नया दृष्टिकोण देता है।

15. मैं अटल जी की पावन स्मृति को नमन करता हूँ तथा उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। वे सच्चे अर्थों में भारत के रत्न थे।